CAFE/DAFE

1. एचआईवी और परिवार शिक्षा में प्रमाणपत्र (सीएएफई)

2. एचआईवी और परिवार शिक्षा में डिप्लोमा (डीएएफई)

सत्रीय कार्य-2026

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय
समाज कार्य विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली

सत्रीय कार्य भेजने के लिए अनुसूची

प्रिय विद्यार्थी

हमें उम्मीद है कि आप सीएएफई (CAFE) /डीएएफई (DAFE) कार्यक्रम मार्गदर्शिका को ध्यानपूर्वक पढ़ चुके होंगे। हमने इस मार्गदर्शिका में यह समझाया है कि इग्नू को सत्र–समाप्ति की परीक्षा में पात्र बनने के लिए दिये गये सत्रीय कार्य को निश्चित समयाविधि में पूरा करना आवश्यक है। सीएएफई /डीएएफई के सभी सत्रीय कार्य अध्यापक चिन्हित सत्रीय कार्य (टीएमए) एवं सतत मूल्यांकन प्रक्रिया का हिस्सा है।

सीएएफई /डीएएफई के लिए जो सत्रीय कार्य हैं वे सभी पाठ्यक्रमों के लिए भी होंगे। आपको अलग–अलग सत्रीय कार्य, बीएफई–101, बीएफई–102 और बीएफईई–101 से बीएफईई–104 पर आधारित दिये जा रहे हैं। (जनवरी 2026 और जुलाई 2026 के लिए पंजीकृत छात्रों के लिए)। **सत्रीय कार्य लिखने से पहले, आप कार्यक्रम मार्गदर्शिका में दिये गये निर्देश और पाठ्यक्रम सामग्री को ध्यानपूर्वक पढ़ लें।** उत्तर लिखने से पहले सत्रीय कार्य सम्बन्धित निर्देशों को ध्यान से पढें। अगर आपको पाठ्यक्रम और सत्रीय कार्य से सम्बन्धित कोई सन्देह या समस्या है तो आप अपने अध्ययन केन्द्र में सम्बन्धित शैक्षिक सलाहकार से सम्पर्क करें।

आपसे अनुरोध है कि आप पहले पाठ्यक्रम सामग्री को पढें और तब उसके बाद सत्रीय कार्य को निर्देशों के अनुसार तैयार करें। आपके उत्तर, शाब्दिक सामग्री/ब्लॉक जो आपको स्वयं के सीखने के उद्देश्य से दी गयी है से शब्दशः नकल नहीं होना चाहिए। **सत्रीय कार्य हस्तलिखित और स्वहस्ताक्षरित होने चाहिएं।** कृपया अपने सत्रीय कार्य के उत्तर दी गयी तारीख के पहले जो कि आपकी रसीद पर उल्लेखित है, अपने अध्ययन केन्द्र पर जमा करें। आप से उम्मीद की जाती है कि आप सत्रीय कार्य की एक कार्बन कॉपी या फोटो कॉपी भविष्य में किसी भी सन्दर्भ या प्रयोग के लिए रखें।

कृपया परीक्षा में बैठने से पहले सत्रीय कार्य जमा करें। नवीनतम जानकारी के लिए इग्नू वेबसाइट देखें।

कार्यक्रम को सफलतापूर्वक करने के लिए आपको ढेर सारी शुभकामनाएँ।

(डॉ. जी. महेश)
कार्यक्रम समन्वयक
ई मेल : gmahesh@ignou.ac.in
फोन : 011 – 29571694

शराब, मादक द्रव्य और एच.आई.वी. (बीएफईई–103)

पाठ्यक्रम कोड : बीएफईई–103

अधिकतम अंक : 100

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग **500** शब्दों में) दीजिए।

   i) मादक द्रव्यों के सेवन और एचआईवी/एड्स के बीच संबंध की व्याख्या करें और चर्चा करें कि मादक द्रव्यों का सेवन एच. आई. वी. के प्रसार में कैसे योगदान देता है। 20

   ii) भारत में मादक पदार्थों के दुरुपयोग और मादक पदार्थों की तस्करी की सीमा और प्रभाव पर चर्चा करें, इसके सामाजिक और स्वास्थ्य परिणामों पर प्रकाश डालें। 20

   iii) शराब, नशीली दवाओं, एसटीडी और एचआईवी/एड्स के बीच संबंध की जांच करें और वर्तमान संदर्भ में उनकी प्रासंगिकता की व्याख्या करें। 20

   iv) उपयुक्त उदाहरण देते हुए पारिवारिक जीवन और राष्ट्रीय विकास पर मादक द्रव्यों के सेवन के प्रभाव का विश्लेषण करें। 20

   v) शराब और नशीली दवाओं पर निर्भरता के उपचार में शामिल चरणों का वर्णन करें, जिसमें हस्तक्षेप, पुनर्वास और रखरखाव शामिल हैं। 20

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं भी **तीन** का उत्तर लगभग **250** शब्दों में दीजिए।

   i) नशीली दवाओं के दुरुपयोग को परिभाषित करें और अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य संगठनों द्वारा दी गई इसकी प्रमुख विशेषताओं की व्याख्या करें। 10

   ii) प्राचीन समाजों में अफीम और शराब के उपयोग के संदर्भ में मादक द्रव्यों के दुरुपयोग के इतिहास पर चर्चा करें। 10

   iii) शारीरिक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक प्रभावों सहित किसी व्यक्ति पर मादक द्रव्यों के सेवन के परिणामों की व्याख्या करें। 10

   iv) स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 (एन. डी. पी. एस. अधिनियम) के प्रमुख प्रावधानों और महत्व का वर्णन कीजिए। 10

   v) मादक द्रव्यों के सेवन को रोकने में शिक्षा, परामर्श और सामुदायिक प्रतिक्रियाओं की भूमिका की व्याख्या करें। 10

3 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं भी **पांच** पर लगभग 150 शब्दों में लघु छोटे नोट लिखें।

   i) मादक द्रव्यों के सेवन और एचआईवी/एड्स के अध्ययन का महत्व। 6

   ii) मादक द्रव्यों के उपयोग में शारीरिक निर्भरता 6

   iii) मादक द्रव्यों के सेवन के संदर्भ में सहिष्णुता और वापसी 6

   iv) यौन संचारित रोग (एसटीडी) 6

   v) प्रजनन स्वास्थ्य पर नशीली दवाओं के दुरुपयोग के प्रभाव 6

   vi) विषहरण (detoxification) 6

   vii) मादक द्रव्यों के दुरुपयोग को नियंत्रित करने में गैर सरकारी संगठनों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की भूमिका 6

   viii) मादक द्रव्यों के सेवन के उपचार में पुनरावृत्ति की रोकथाम 6